डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 04 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 11 अक्टूबर 2023 | मूल्य 2 रुपया

इस कहावत में कहीं भी फिट नहीं है कांग्रेस ...

विचार और निर्णय की प्रक्रिया वाले दो सिरों के बीच यदि निजी स्वार्थ का परनाला बह रहा हो तो फिर विचार और निर्णय, दोनों पर ही इसका बुरा असर होता है। यही एक बार फिर कांग्रेस के साथ हुआ है। कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पार्टी ने जातिगत आरक्षण का खुलकर समर्थन किया। कहा कि यदि आम चुनाव में उसकी सरकार बनी तो पूरे देश में इसी आधार पर जनगणना कराई जाएगी। जाहिर है कि इस जातिवादी गणित से कांग्रेस सबसे पहले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में सियासी लाभ लेने की जुगत में है।

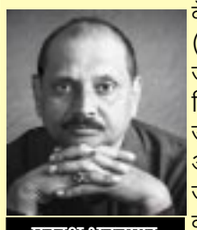

प्रकाश भटनागर

लेकिन ऐसे ही एक लाभ के लिए इस दल ने जो जुर्रत दिखाई है, वह हतप्रभ कर देने वाली है। सीडब्ल्यूसी ने इजरायल पर हमास के बर्बर आतंकवादी हमले में फिलिस्तीन का पक्ष लिया है। वहां के रहवासियों को जमीन, स्वशासन और आत्म-सम्मान एवं गरिमा के साथ जीवन के अधिकार देने की वकालत की है। यदि आप थूक कर चाटने वाली कहावत का भावार्थ समझना चाहते हैं तो इसे यूं समझिए कि सीडब्ल्यूसी में इस आशय का प्रस्ताव पारित करने से एक दिन पहले ही इस दल ने इस संघर्ष के लिए फिलिस्तीन की खुलकर आलोचना की थी। अब चौबीस घंटे में ही उसके सुर कैसे बदल गए, यह एक दूसरी कहावत 'घुटने पेट की तरफ ही मुड़ते हैं' से समझा जा सकता है। देश में कांग्रेस के शासनकाल में ही फिलस्तीन और इसके नेता यासिर अराफात को देवतुल्य सम्मान और पितृतुल्य व्यवहार प्रदान किया गया था। जिस गणराज्य का निर्माण ही एक देश (इजरायल) को मिटा देने की अवधारणा के साथ किया गया हो, उसको कांग्रेस ने हमेशा मित्रवत स्नेह दिया है।

इसलिए ताज्जुब यह नहीं है कि इस दल ने फिलिस्तीन का समर्थन किया, ताज्जुब यह कि इससे जुड़े प्रस्ताव में इजरायल के लिए समर्थन तो दूर, संवेदना तक को स्थान नहीं दिया गया है। अब जाहिर है कि हमारे देश में यहूदी वर्ग के मतदाता नहीं हैं। शायद इसीलिए कांग्रेस को इजरायल में मारे गए करीब एक हजार लोगों और फिलस्तीन समर्थक आतंकवादी संगठन हमास द्वारा बंदी बनाए गए हजारो इजरायलियों से कोई सरोकार नहीं है। लेकिन, वह फिलिस्तीन के लिए दुखी है। इस बात के कारण को ज्यादा विस्तार न देते हुए एक धारावाहिक के शीर्षक गीत 'ये रिश्ता क्या कहलाता है?' को दोहराकर काम चला लेना ही उचित जान पड़ता है।

भारत लंबे समय तक आतंकवाद के उस दंश को झेल चुका है, जो एक बार फिर इजरायल को सता रहा है। दुनिया के अधिकांश हिस्सों की तरह ही भारत और इजरायल में भी इस समस्या की जड़ में मुस्लिम चरमपंथ ही है। इससे कांग्रेस भी अछूती नहीं रही है। इंदिरा गाँधी की हत्या भले ही सिख समुदाय के दो सुरक्षा कर्मियों ने की हो, लेकिन इसके मूल में स्थित सिख आतंकवाद को तो पाकिस्तान ने ही पैदा किया और पनपाया था।

जातीय या नस्लीय आधार का फिलिस्तीन जैसा कट्टरपंथ कितना घातक हो सकता है, यह कांग्रेस श्रीलंकाई तमिलों के हाथों मारे गए राजीव गांधी के रूप में देख चुकी है। इसके बाद भी यदि वह फिलिस्तीन का समर्थन कर रही है तो फिर यह बेशक कहा जा सकता है कि इस दल ने महज चौबीस घंटे में फिलिस्तीन के विरोध से लेकर उसके समर्थन के जरिए 'रंगा सियार' वाली कहानी और कहावत, दोनों ही याद दिलवा दी हैं। आज सोशल मीडिया की बदौलत सारी दुनिया लोगों की मुट्ठी में है। फिलिस्तीन में एक देश और धर्म के नाम पर जो किया जा रहा है, वह सब वितृष्णा के भाव के साथ देख रहे हैं। भारत में भी प्रतिक्रिया की यही स्थिति है। इसके बाद भी इस मसले पर कांग्रेस का रुख यह बताता है कि आत्ममुग्धता के दलदल में डूबा यह दल अतीत की अपनी गलतियों से कोई सबक लेना नहीं चाह रहा है। आज हमने कहावतों को लेकर काफी बात कहीं। एक कहावत और है कि सुबह का भूला शाम को घर आ जाए तो उसे भूला नहीं कहते हैं। लेकिन, फिलिस्तीन के विषय में कांग्रेस के रुख को देखकर आज वाली कहावतों में से अंतिम में कांग्रेस कहीं से कहीं तक फिट नजर नहीं आ रही है।

विस चुनाव: गैरों से ज्यादा अपनों से तनाव!

मल्हारगढ़ में कांग्रेस तो सुवासरा में भाजपा को एकता टेबलेट की जरुरत

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कोई भी चुनाव हो, उसमें गुटबाजी हमेशा किसी भी पार्टी के लिए नुकसानदायक होती है। टिकीट वितरण के बाद नाराजगी खत्म कर सामंजस्य बैठ ही जाता है। लेकिन, जिले में दो सीटें ऐसी है जहां भाजपा और कांग्रेस को गैरो से ज्यादा अपनों से तनाव हो सकता है। इस मैटर में एक सीट भाजपा की तो एक सीट कांग्रेस की शामिल है। हम बात कर रहे हैं मल्हारगढ़ से कांग्रेस और सीतामऊ-सुवासरा से भाजपा की। यहां एकता टेबलेट की जरुरत दोनों ही दलों को है। जिसके प्रयास भी कई बार हो चुके हैं।

सामंजस्य बैठाने के प्रयास जारी...

बात करें मल्हारगढ़ में कांग्रेस की। यहां से परशुराम सिसौदिया और श्यामलाल जोकचंद को प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। इन दोनों में से एक का टिकीट होना भी तय है। लेकिन, दोनों ही कांग्रेसी विचारधारा के होने के बाद भी उत्तर दक्षिण है। धरना प्रदर्शन हो या किसी बड़े नेता का स्वागत, दोनों का ही अपना एक अलग कार्यक्रम होता है। मतलब मल्हारगढ़ जैसे छोटे से क्षेत्र में दो कांग्रेस चल रही है। दोनों ही नेताओं में सामंजस्य बैठाने का प्रयास दिग्विजयसिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेता कर चुके हैं। यहां से अगर श्यामलाल को टिकीट मिलता है तो कहीं न कहीं परशुराम समर्थकों की निराशा कांग्रेस को नुकसान पहुंचा सकती है, परशुराम को टिकीट मिलने श्यामलाल जोकचंद समर्थकों की नाराजगी कांग्रेस के लिए नुकसानदायक हो सकती है। जगदीश देवड़ा जैसे दिग्गज नेता के सामने कहीं न कही मल्हारगढ़ में कांग्रेस को एकता की टेबलेट की जरुरत होगी।

कई बार आ चुकी दरार सामने...

सुवासरा से हरदीपसिंह डंग पर भाजपा ने फिर से विश्वास जताया है। जबकि कुछ समय पहले की बात करें तो पूर्व विधायक स्व. नानालाल पाटीदार के बाद उनके पुत्र और पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार को सीतामऊ-सुवासरा क्षेत्र में एकमात्र टिकीट का दावेदार माना जाता था। वर्ष 2018 में कांग्रेस प्रत्याशी रहे हरदीपसिंह डंग से महज 300 मतों के आसपास के अंतर से राधेश्याम पाटीदार को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद 2018 में हरदीपसिंह डंग को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया और एक बड़ी जीत हासिल कर मंत्री भी बन गए। कहीं न कहीं यह राधेश्याम पाटीदार के जहन में रही। दोनों नेताओं के बीच दरार कई बार सार्वजनिक रूप से भी सामने आई। राधेश्याम पाटीदार ने हरदीपसिंह डंग से नाराजगी मौखिक रूप से सार्वजनिक बयान देकर भी जाहिर की। हालांकि इसके बाद उनकी पुत्रवधु को जिला पंचायत अध्यक्ष बनाकर इस नाराजगी को पार्टी ने खत्म करने का प्रयास किया। लेकिन, इसके बाद भी विस क्षेत्र में पार्टी के कार्यक्रम या सार्वजनिक कार्यक्रमों में हरदीपसिंह डंग और राधेश्याम के बीच दूरी देखी गई। कहीं न कहीं यहां भी एकता टेबलेट की जरुरत चुनाव में फिर से जीतने के लिए भाजपा को पड़ सकती है।

टिकट मिलते ही बालाजी की शरण में पहुंचे डंग...

बोले-कांग्रेस में किनारे पर रहता था, भाजपा में हजारों से जीतते हैं

जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। जबकि, गरोठ विधानसभा में अब भी पेंच फंसा हुआ है। भाजपा की चौथी लिस्ट में मंदसौर, शामगढ़ और सुवासरा में प्रत्याशियों की घोषणा की जा चुकी है। चौथी लिस्ट में नाम आने के बाद सुवासरा विधायक और शिवराज सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हरदीप सिंह डंग ने मल्हारगढ के हरकियाखाल बालाजी के दर्शन किए रात में वे भाजपा कार्यालय पहुंचे और कार्यकर्ताओं से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने मीडिया से कहा कि भाजपा संगठित पार्टी है। वर्ष 2018 के चुनाव में वे 350 वोटों से जीते थे। लेकिन, 2020 के उपचुनाव में जनता ने दिल खोलकर वोट दिए। उन्होंने कहा कि चंबल के पानी का फायदा दूसरे राज्य उठा रहे थे। जबकि, गांधी सागर बांध के वक्त हमारे कई गांव डूब के क्षेत्र में चले गए थे। शिवराज सरकार ने सिंचाई योजनाओं के साथ सैकड़ो अन्य प्रदेश और जनता की तकदीर बदलने का कार्य किया है। डंग ने कहा कि कांग्रेस कहीं है ही नहीं तो चुनौती वाली कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर वे विकास के मुद्दे पर जनता के बीच जाएंगे और भाजपा का परचम लहराएंगे।

पचास हजार से ज्यादा नगद होने पर देना होगा जवाब

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव हेतु आचार संहिता लागू हो गई। जिसका प्रदेशभर में सख्ती से पालन कराया जाना शुरु हो गया है। लेकिन, राजस्थान की बार्डर पर होने के कारण कहीं न कहीं मंदसौर जिले के लोगों को आचार संहिता के कारण ज्यादा परेशानी होगी। सीमाओं पर चेकिंग और पूछताछ का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा ज्यादा परेशानी किसानों, व्यापारियों और शादी समारोह वाले परिवारों को होगी। इसका कारण है कि पचास हजार से ज्यादा नगद रुपए होने पर सवालों के जवाब देना होगे। इस संबंध में दस्तावेज दिखाकर संतुष्ट करना होगा।

आचार संहिता लगने के बाद अब ज्यादा नगदी साथ लेकर नहीं चल सकते हैं। यदि लेकर चल रहे हैं तो उसके सबूत या दस्तावेज साथ रखने होंगे। 50 हजार से ऊपर की नगदी पर दस्तावेज नहीं दिखा पाए तो इन्हें पुलिस फोर्स जब्त कर लेगा। जिले के प्रमुख बार्डर पर टास्क फोर्स तैनात कर दिया गया है, जो नगदी ले जाने वालों पर निगरानी रखेंगे। आम लोगों को नगदी को लाने व ले जाते वक्त ज्यादा ध्यान रखना होगा। विधानसभा, शहर के सीमा सहित बॉर्डर पर जांच होगी।

इन्हें हो सकती है परेशानी...

आचार संहिता के दौरान नवदुर्गा व दीपावली का त्यौहार है। इस दौरान बाजार में जोरों से खरीदी होती है। दुकानदारों के पास जो नगदी आती है, उसे बैंक में जमा करने के लिए जाना होता है। ज्यादा नगदी पकडी गई तो व्यापारियों को भी दिक्कत आएगी। विक्रय का पूरा लेखा जोखा रखें। वर्ष 2018 में व्यापारियों के काफी रुपए जब्त हुए थे।

✻ नवदुर्गा में फलदान कार्यक्रम भी बड़ी संख्या में होते हैं। फलदान में नगदी चढ़ाने जा रहे हैं तो इन्हें भी पूरा ध्यान रखना होगा। वर्ष 2023 के चुनाव में शादी समारोह वालों को सबसे ज्यादा दिक्कत आई थी। ✻ किसान अपनी फसल को मंडी में बेचने आएगा। बिना बिल के पकडे जाते हैं तो रुपए भी जब्त हो सकते हैं। ✻ संपत्तियों की रजिस्ट्री भी बड़ी संख्या में होती है। संपत्ति विक्रय में बड़ी मात्रा में लेनदेन होता है।

जनसुनवाई भी बंद...

आचार संहिता लगने के बाद अब सुनवाई भी बंद हो गई है। क्योंकि अधिकारी चुनाव में व्यस्त हो गए हैं। यदि किसी व्यक्ति को कोई परेशानी है और आवेदन देना चाहता है तो उसके लिए शिकायत बॉक्स में डाल सकते हैं।

महिला ने फांसी लगाई, मौत

नीमच, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के बघाना थाना क्षेत्र की राम अवतार कॉलोनी में एक महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतिका का नाम प्रीति पति कौशल सिंह जाट उम्र 25 वर्ष बताया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को फांसी के फंदे से उतारकर बड़े अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या क्यों की इसका अब तक खुलासा नहीं हुआ है। महिला के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बिजली के खंबे पर लगाया बोर्ड, केस दर्ज

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आचार संहिता लागू होते ही प्रशासनिक और पुलिस सख्ती बढ़ गई है। सरकारी संपत्ति पर बोर्ड लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वायडी नगर पुलिस ने बताया कि एमआईटी चौराहा पर ज्योति मोबाईल हब के संचालक द्वारा दुकान के नाम से बोर्ड लगाया गया। जिसके खिलाफ पुलिस ने मप्र संपत्ति विरुपण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर नाबालिग के साथ दुष्कर्म, प्रकरण दर्ज

भीड़ ने आरोपी और उसके साथियों को जमकर पीटा

मन्दसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। इन दिनों लगातार लव जिहाद के मामले सामने आ रहे हैं। मंगलवार को एक बार फिर शहर कोतवाली थाना क्षेत्र में लव जिहाद का मामला सामने आया है। यहां मुस्लिम समाज के युवक अदनान निवासी दाउद्द खेड़ी द्वारा इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर एक नाबालिग युवती को तेलिया तालाब पर मिलने के लिए बुलाया और उसके साथ गलत हरकत करने की कोशिश की। जैसे-तैसे नाबालिग युवती ने इसकी सूचना अपने भाई को दी। भाई अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और आरोपी युवक की जमकर धुनाई कर दी। जिसकी सूचना पुलिस को मिलते ही शहर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को थाने ले कर आई। पीछे पीछे हिंदू सगठनों के साथ ही नरसिंहपुरा कुमावत समाज के कार्यकर्ता भी थाने पर पहुंचे ओर उक्त युवक अदनान के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की।

यहां जब आरोपी अदनान के साथी उससे मिलने पहुंचे तो आक्रोशित भीड़ ने अदनान के साथियों की भी जमकर धुनाई कर दी। चूंकि मामला संवेदनशील था, जिसके चलते आस पास के थाना क्षेत्र की पुलिस टीम को भी कोतवाली थाने पर बुला लिया गया था। पुलिस ने भीड़ से दोनो युवकों को छुड़वाकर थाने में बिठाया और भीड़ को तितर बितर किया। मामले में नाबालिग ने पुलिस थाने पर रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया की आरोपी अदनान ने उसके साथ बहला फुसलाकर बलात्कार किया है। पुलिस ने नाबालिग युवती की शिकायत पर आरोपी अदनान निवासी दाउद्द खेड़ी के खिलाफ बलात्कार, पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

विचार-मंथन

पश्चिम बंगाल में मनरेगा योजना में अनियमितता!

पश्चिम बंगाल में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा के लागू होने में अनियमितताओं को लेकर तृणमूल कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच छिड़ा वाक्युद्ध अब सड़कों पर आ गया है। राज्य सरकार ने केंद्र पर हजारों करोड़ रुपए रोकने का आरोप लगाया तो केंद्र सरकार बंगाल में मनरेगा योजना में निर्देशों को ताक पर रखने की दलील दे रही है। इस आरोप-प्रत्यारोप के बीच निचले पायदान पर बैठा व्यक्ति रोजगार की मुश्किल से जूझ रहा है। विपक्षी दल पूर्ववर्ती यूपीए सरकार में लागू की गई इस योजना को केंद्र की मौजूदा राजग सरकार पर धीरे-धीरे खत्म करने का आरोप लगाते रहे हैं। इनमें पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सबसे ज्यादा मुखर है और उसने कई मौकों पर इस मसले पर केंद्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया है। पार्टी का कहना है कि केंद्र मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पंद्रह हजार करोड़ रुपए दबाए बैठा है। इससे राज्य की बड़ी गरीब आबादी प्रभावित हो रही है। हालांकि केंद्र इन आरोपों का खंडन करने के साथ ही राज्य सरकार पर मनरेगा जाब कार्ड में फर्जीवाड़ा किए जाने की बात कह रहा है। हकीकत यह है कि मांग-संचालित मजदूरी रोजगार कार्यक्रम के रूप में मनरेगा समूचे देश में अपने मूल स्वरूप में जारी है और केंद्र सरकार इस मद में राशि भी आबंटित करती रही है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय का दावा है कि मनरेगा के लिए धन की कोई कमी नहीं है, लेकिन राज्य को धन इसलिए नहीं दिया गया, क्योंकि उसने केंद्रीय निर्देशों का अनुपालन नहीं किया। केंद्र सरकार राज्य में पच्चीस लाख जाब कार्ड में फर्जीवाड़ा किए जाने का भी आरोप लगा रही है। अगर ऐसा है तो इन आरोपों की पड़ताल होनी चाहिए। राज्य सरकार को स्वयं इस मामले की जांच कर केंद्र के समक्ष सही तस्वीर रखनी चाहिए। सवाल है कि पश्चिम बंगाल को केंद्र सरकार की चिंताओं का निवारण करने में कहां दिक्कत पेश आ रही है, जबकि केंद्र कह रहा है कि उसने चार अक्तूबर तक इस योजना के लिए निर्धारित साठ हजार करोड़ रुपए के बजट में से 56,105.69 करोड़ जारी कर दिए हैं। अगर इतना पैसा राज्यों को दे दिया गया है तो गड़बड़ी कोष में नहीं, कार्यान्वयन स्तर पर नजर आती है। एक उपयोगिता आधारित और गरीब तबकों के कल्याण कार्यक्रम के रूप में मनरेगा का महत्त्व किसी से छिपा नहीं है। लेकिन इसमें धांधली, काम नहीं मिलने या भुगतान में देरी के आरोप अक्सर सामने आते रहे हैं। स्थानीय स्तर पर योजना की कार्यान्वयन एजंसी के प्रति सख्ती से इस समस्या का समाधान हो सकता है। अगर किसी राज्य के साथ भेदभाव हुआ है, तो इसके लिए सड़कों पर प्रदर्शन करने के बजाय उचित मंच पर तथ्यों और आंकड़ों के साथ अपनी बात रखी जा सकती है। मनरेगा को गांवों में रोजगार का सबसे ठोस जरिया माना जाता है। इसके तहत ग्रामीण परिवार को प्रतिवर्ष सौ दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाती है। इस महत्त्वाकांक्षी योजना की उपयोगिता पूरे देश में शुरू से निर्विवाद रही है। कोरोना काल में जब बड़ी संख्या में शहरों से गांवों की ओर पलायन हुआ तो रोजी-रोटी चलाने के लिए यही योजना सबसे बड़ा सहारा बनकर उभरी। उस समय सरकार को इसका बजट लगभग दोगुना तक बढ़ाना पड़ा था। दरअसल, कल्याणकारी योजनाएं सभी राज्यों के लिए होती हैं। इनके कार्यान्वयन में लापरवाही या भ्रष्टाचार से नुकसान समाज के सबसे निचले तबके को ही उठाना पड़ता है। इसे लेकर राजनीतिक लाभ का गणित बिठाने के बजाय इस पर ठोस और ईमानदार कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

रूस की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाएं हैं

भानु प्रताप मेहता

इस युद्ध में जो कुछ भी दाव पर लगा था उसे दोहराना उचित है। खासकर भारत में जहां रूस के लिए मौन समर्थन चर्चा में हावी रहा है। यदि यूक्रेन के प्रति रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आक्रामकता सफल हो जाती, तो इससे अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के 3 महत्वपूर्ण सिद्धांत उलट जाते। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह केवल दूसरी बार होगा कि किसी देश ने किसी अन्य देश को समग्र रूप से अपने में मिलाने की कोशिश की होगी। भारत ने सही तर्क दिया है कि युद्ध 21वीं सदी का रास्ता नहीं है लेकिन अगर पुतिन अपनी योजना में सफल हो जाते तो उन्होंने प्रतिशोध के साथ विश्व राजनीति के सिद्धांत के रूप में युद्ध को प्रोत्साहित किया होता। यह महत्वपूर्ण था कि पुतिन को रोका जाए। एकमात्र सवाल यह था कि ऐसा करने का सबसे कम विनाशकारी साधन क्या था? संभावित रूप से एक तीसरा मुद्दा दाव पर था। वह था परमाणु हथियारों का संभावित उपयोग। जब तक हथियार मौजूद हैं यह खतरा पूरी तरह से खत्म नहीं होता लेकिन कम से कम इस घटना पर चीन जैसे पुतिन के सहयोगियों ने एक लाल रेखा खींच ली है। सभी को आश्चर्य हुआ कि रूस यूक्रेन को अपने अधीन करने में विफल रहा है। रूस ने अपने सभी रणनीतिक उद्देश्यों को खो दिया। यदि यह उद्देश्य नाटो के विस्तार को रोकना था (जोकि वह कभी नहीं था) तो वह हार गया। यदि यह उसके साम्राज्य का पुनर्निर्माण था तो वह हार गया। यूक्रेन को एक राष्ट्र के रूप में स्थापित किया गया था। वैश्विक व्यवस्था में अब इसे जिन राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है वे कुछ हद तक इसकी सफलता का परिणाम हैं। 3 मुद्दे दाव पर हैं। पहला, अब युद्ध के उद्देश्य कैसे परिभाषित होते हैं? यूक्रेन को अपने क्षेत्र की रक्षा करने का पूरा अधिकार है लेकिन ऐसा लगता है कि शेष विश्व को यूक्रेन द्वारा अपने सभी क्षेत्र पर पुनः दावा करने की बजाय अपनी सम्प्रभुता को पुनर्स्थापित करने के प्रति अधिक सहानुभूति थी। दुनिया ने क्रीमिया पर रूसी आक्रमण को अपेक्षाकृत बिना दंड दिए जाने दिया था। एक युद्ध में नैतिक दांव जहां एक पूरे देश को निगल लिया जा रहा है और उसकी सम्प्रभुता को नष्ट कर दिया जा रहा है, बनाम एक युद्ध जहां मुद्दा यह है कि क्या यूक्रेन अपने क्षेत्र के अंतिम 15 या 20 प्रतिशत को पुनः प्राप्त कर सकता है, बहुत अलग दिखता है। दूसरा, इस युद्ध के बारे में सबसे उल्लेखनीय चीजों में से एक यह है कि जिस तरह से युद्ध के प्रभाव अर्थव्यवस्थाओं और समाज पर पड़े हैं उससे हम लगातार आश्चर्यचकित हुए हैं। पुतिन ने शायद यह जुआ खेला होगा कि रूस पर यूरोप की ऊर्जा निर्भरता उसे इस हद तक कमजोर बना देगी कि वह रूस के सामने खड़ा नहीं हो सकेगा। लेकिन शायद समान रूप से प्रतिबंधों के कारण रूसी

अर्थव्यवस्था कैसे ध्वस्त हो सकती है, इसकी भविष्यवाणी भी निराधार साबित हुई। रूस की दीर्घकालिक विकास संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं लेकिन यह पतन के कगार पर एक अस्थिर अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में कहीं भी नहीं है। कुछ प्रारंभिक चिंताओं के बाद शेष विश्व ने युद्ध की लागत से अपना पल्ला झाड़ लिया है। पुतिन की प्रारंभिक गणना कि युद्ध की लागत पश्चिम में ध्रुवीकरण दरार का कारण बनेगी क्योंकि ऊर्जा की कीमतें बढ़ेंगी, लक्ष्य से बाहर हो सकती है। लेकिन एक धारणा यह है कि युद्ध की कीमत देर से ही सही मगर पश्चिम में एक घरेलू राजनीतिक मुद्दा बनती जा रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि रूस की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाएं हैं लेकिन उसे पता चला है कि प्रतिशोध की स्थिति में उन महत्वाकांक्षाओं को क्रियान्वित करने के लिए उसके पास सामग्री और संगठनात्मक क्षमताएं नहीं हैं। तीसरा सवाल यूक्रेन में जमीनी हालात का है। यह आश्चर्यजनक है कि जमीन पर मौजूद यथास्थिति को जिस हद तक गतिरोध के रूप में वर्णित किया जा रहा है, जैसे कि यूक्रेन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में कामयाब नहीं हुआ है। यह शायद एक अनुचित वर्णन है कि यूक्रेन क्या हासिल करने में कामयाब रहा है। पुतिन के पास अब समय के मामले में खेलने के लिए सब कुछ है, कम से कम अमरीका में अगले राष्ट्रपति चुनाव तक। युद्ध एक ऐसे स्तर पर पहुंच गया है जहां इसका भविष्य अब पश्चिम में चुनाव परिणामों और अवसर लागत की गणना पर निर्भर हो सकता है। युद्ध के कई दीर्घकालिक राजनीतिक प्रभाव सामने आएंगे। हमेशा की तरह पश्चिम और वैश्विक दक्षिण में खूब पाखंड होगा। क्या पुतिन अपनी राजनीतिक किस्मत पलटने की उम्मीद में एक साल तक संघर्षपूर्ण संघर्ष में पड़े रहेंगे? क्या क्षमताओं में कमी के बावजूद रूस विनाश के अंतिम कार्य में संलग्न है? लेकिन परेशान करने वाली बात यह है कि पुतिन के लिए यूक्रेनी सफलता का कोई भी रास्ता अपने आप में अपमान के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले में यह स्पष्ट नहीं है कि यूक्रेन के पास क्या विकल्प है। पुतिन एक समस्या बने रहेंगे जिसे हार या जीत में प्रबंधित करने की जरूरत है।

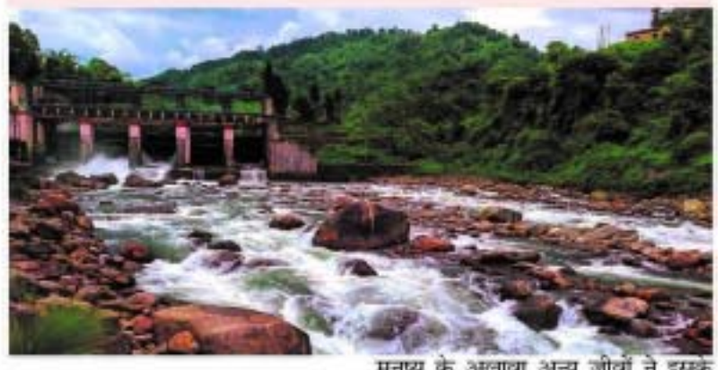

'हैल्थ फूड' के नाम पर हमें क्या खिलाया जा रहा

आधुनिक जीवन की भाग-दौड़ में हम अपने भोजन पर उतना ध्यान नहीं देते जितना हमें स्वस्थ रहने के लिए देना चाहिए। इसीलिए आए दिन हमारे शरीर में कोई-न-कोई दिक्कत उत्पन्न होती रहती है। रोजमर्रा के खाने में पौष्टिक तत्वों की कमी के कारण अक्सर बीमार पड़ने पर डाक्टर भी हमें ताजी और शुद्ध चीजें खाने की ही सलाह देते हैं। इसके साथ हमारी डाइट को 'हैल्थ फूड' पर आधारित होने की भी सलाह देते हैं। अपनी सेहत की चिंता करते हुए हम बाजार में 'हैल्थ फूड' के नाम पर मिलने वाली वस्तुएं खरीदने की होड़ में लग जाते हैं परंतु यहां सवाल उठता है कि क्या 'हैल्थ फूड' के नाम पर बिकने वाले डिब्बा बंद या सील बंद उत्पादन वास्तव में हमारे शरीर के लिए 'हैल्दी' हैं? बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादनों ने बाजार में एक ऐसा मायाजाल बिछाया है जिसके शिकंजे में हम बड़ी आसानी से फंस जाते हैं। यह कंपनियां अपने उत्पादनों को 'हैल्थ फूड' का जामा ओढ़ा कर उपभोक्ताओं को इसकी लत लगाने में कामयाब हो जाती हैं। आम लोग भी इनकी मार्कीटिंग और आकर्षक विज्ञापन के झांसे में बहुत आसानी से आ जाते हैं। बिना यह सोचे-समझे कि क्या इन 'हैल्थ फूड्स' में वो सभी पौष्टिक तत्व सही मात्रा में हैं, जो हमारे शरीर के लिए जरूरी हैं? क्या हमें जिन तत्वों का परहेज करना चाहिए।

कठिन परिस्थिति हमें संघर्ष करने की सीख देती है नदियां

अनुपमा तिवाड़ी

गौर किया जाए तो पता चलेगा कि एक ही मौसम में नीम और आम दोनों पर बौर लगते हैं। दोनों ने ही हमें कड़वे और मीठे का चरम स्वाद दिया है। आंवला, शहतूत, नारंगी, करेला कितने-कितने स्वाद हमें इस प्रकृति ने दिए हैं, जिन्हें हमने अपनी ग्रहण करने की क्षमता से इनका आस्वादन किया है। ये आसमान में जो अनगिनत रंग हर सुबह और शाम बिखरते हैं, उन्होंने हमारे चित्रकारों को चित्रों में रंग भरना सिखाया है। झर-झर गिरते झरने और कल-कल करती नदियों ने हम में संगीत का बोध पैदा किया है। चिड़ियों की चहचहाहट ने हमें जगाया है। हमारे जीवन में इन सबने रंग भरे हैं।कहते हैं दुनिया की सबसे पहली मिठाई हमें मधुमक्खियों ने शहद के रूप में दी। कितने ही जीवों ने हमें मिलकर समूह में रहना सिखाया है। क्या किसी ने सख्त चट्टानों के बीच से किसी पौधे को चुपके से निकलते देखा है? यह हमें सख्त परिस्थितियों में भी संभावनाएं देखना सिखाता है। संघर्ष में उठ खड़े होने की सीख देता है। फिर वे कौन लोग हैं जो जंगल खत्म कर रहे हैं? पेड़ों को काट रहे हैं? आदिवासियों का जीवन जीना दूभर कर रहे हैं? वे कौन लोग हैं जो नदियों से बजरी निकाल कर उन्हें उथला कर रहे हैं, उन्हें दूषित कर रहे हैं? हम पिछले तीस वर्षों के पहले का एक मोटा-सा आंकड़ा देखें तो पाएंगे कि हमारे देश में लगभग साढ़े चार हजार से अधिक छोटी-बड़ी नदियां सूख गई हैं। करीब बीस लाख से अधिक तालाब सूख गए हैं। अनगिनत कुएं अब कचरा-पात्र बन गए हैं या उथले हो गए हैं और उनमें पीपल और बरगद उग आए हैं। अब पानी के स्रोत कम होते जा रहे हैं और पानी किसी बांध से बांधकर शहरों तक खींचा जा रहा है। हमारे विकास की कड़ी में औद्योगिक इकाइयों से निकलते नीले, लाल, काले रसायनयुक्त पानी का जमीन में जाना क्या प्राकृतिक जल स्रोत को दूषित नहीं कर रहा? पर्यावरण हर उस जीव का मुद्दा है जो सांस लेता है। लेकिन मनुष्य के अलावा अन्य जीवों ने इसके पर्यावरणीय चक्र को बनाए रखने में हमेशा अपना योगदान दिया है। हम अगर चाहते हैं कि हमारा जीवन खुशहाल रहे तो इस पृथ्वी पर साफ जल, पहाड़, पेड़, जीव-जंतु, सभी का हमें संरक्षण करना होगा। इसे अपनी आदतों में ढालकर अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। विकास के नाम पर पिछले पांच सालों में एक करोड़ से ज्यादा वृक्षों को काट दिया गया। दूसरी ओर, 'ग्रीन इंडिया मिशन' के तहत बारह राज्यों को सत्तासी हजार एक सौ तेरह हेक्टेयर क्षेत्र में वनीकरण और छप्पन हजार तीन सौ उन्नीस घरों को वैकल्पिक ऊर्जा उपकरण प्रदान करने के लिए 273.09 करोड़ की राशि जारी की गई। छत्तीसगढ़ में लौह अयस्क खनन के लिए चार हजार नौ सौ बीस हेक्टेयर जंगल की जमीन लौह अयस्क खनन के लिए दी जा चुकी है। रांची में साठ हजार पेड़ काट डाले गए और फिर हरियाली लाने के लिए छब्बीस करोड़ खर्च किए जाने की तैयारी है। अब राजस्थान के जयपुर शहर में 'डोल का बाढ़' जंगल को काटने की तैयारी है। ओड़ीशा के तमनारा प्रखंड के केसरचुना और औराजोर के बीच ग्रामीण अपने स्तर पर वन संरक्षण और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास कर रहे हैं। जहां वन विभाग की नजर नहीं जाती, वहां उन्होंने मिलकर जंगलों को बचाया है। वहां के ग्रामीणों का कहना है कि जंगल उनकी जीवनशैली और आजीविका से जुड़े हैं। आदिवासी जंगल को अपना घर मानते हैं। उन्होंने दोनों गांवों में पौधरोपण, बीजारोपण और 'सीडबाल' के जरिए जंगलों को विकसित किया है। सच यह है कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई मानव जाति के भविष्य के लिए संकट खड़ा कर रही है। प्रकृति की खूबसूरती उसके संतुलन में निहित है। आज शहरों में सड़कों को चौड़ा करने, उपरिपुल बनाने, औद्योगिक इकाइयां लगाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षों को काटा जा रहा है। सफाई के नाम पर नालियों को ढका जा रहा है और फुटपाथ पक्के किए जा रहे हैं।

हम वैक्सीन के हवाले हो जाएंगे

वैश्विक स्तर पर बहुत खास रहा 2 अक्तूबर, 2023 का दिन। सबसे पहले, दो वैज्ञानिकों कैटालिन कारिको और ड्रू वीसमैन को एम-आरएनए आधारित कोविड-19 टीकों पर अनुसंधान के लिए चिकित्सा और शरीर विज्ञान के लिए नोबेल सम्मान देने की घोषणा हुई। दूसरा, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक नई मलेरिया वैक्सीन आर21/ मैट्रिक्स-एम की अनुशंसा दी। इस मलेरिया वैक्सीन का गहरा भारतीय ताल्लुक भी है। इसमें कोई संदेह नहीं, टीके सिद्ध जीवनरक्षक उपाय हैं, हर साल टीके लाखों इंसानों की जान बचाते हैं। गंभीर बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने से बचाते हैं। यदि दुनिया कोविड-19 महामारी से बाहर आ गई है, तो इसका बड़ा श्रेय कोविड-19 के टीकों को जाता है। टीके विकसित करना कठिन है और टीका विकास के लिए नोबेल पुरस्कार मिले, ऐसा कम ही होता है। इससे पहले, वैक्सीन अनुसंधान के लिए नोबेल पुरस्कार 1951 में मैक्स थीलर को येलो फीवर के टीके के विकास के लिए दिया गया था। हालांकि, एक बात और है। हम अक्सर सुनते हैं कि एम-आरएनए आधारित टीके 10 महीने से कम समय में विकसित किए गए। मगर यह आंशिक रूप से ही सच है। दो वैक्सीन शोधकर्ताओं को मिला नोबेल उनकी तीन दशकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। एम-आरएनए आधारित टीकों के विकास की शुरुआत लगभग तीन दशक पहले हुई थी। जिन कार्यों के लिए दो शोधकर्ताओं को सम्मानित किया गया है, उनका एक महत्वपूर्ण शोध पत्र साल 2005 में छपा था, जिसके बाद से ही ये टीकों की खोज से जुड़े हैं। खैर, कोविड-19 महामारी को अब आधिकारिक तौर पर समाप्त घोषित कर दिया गया है और उसके टीकों का उस पैमाने पर उपयोग होने की संभावना नहीं है, जिस स्तर पर इनका इस्तेमाल महामारी के दौरान किया गया था। ऐसे में, एम-आरएनए आधारित वैक्सीन को क्या चीज विशिष्ट और पुरस्कार योग्य बनाती है? जवाब यह है कि इस पद्धति पर बने टीके भविष्य में तपेदिक, डेंगू, पैर व मुंह की बीमारी, जीका और निपाह वायरस आदि सहित अन्य टीकों व उपचार के विकास की संभावना वाली खिड़की खोलते हैं। इन टीकों को बनाने की पद्धति हमें यह अवसर प्रदान करती है कि कम से कम समय में हम टीकों में जरूरत के हिसाब से बदलाव कर सकते हैं। ऐसा एम-आरएनए टीकों के अलावा अन्य टीकों में संभव नहीं है। अतः ऐसे टीकों का विकास किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे, भारत में एम-आरएनए टीकों का उपयोग नहीं हुआ है, क्योंकि जब तक इस पद्धति से टीके भारत में बने, अधिकांश भारतीयों को कोरोना रोधी अन्य टीके लगाए जा चुके थे। इस सप्ताह की दूसरी बड़ी खबर, मलेरिया के दूसरे टीके को मिली मान्यता है। मलेरिया एशिया और अफ्रीका महाद्वीपों के कई देशों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। दुनिया में अनुमानतः हर साल छह लाख से ज्यादा लोग मलेरिया की वजह से मारे जाते हैं। फिर भी, 2021 तक मलेरिया का कोई सुरक्षित और प्रभावी टीका उपलब्ध नहीं था। 2021 के अंत में मलेरिया के पहले टीके को मंजूरी दी गई, जो अफ्रीका में बच्चों के लिए उपलब्ध हो गया है। हालांकि, वर्तमान में उपलब्ध वैक्सीन की उत्पादन क्षमता 1.80 करोड़ खुराक प्रतिवर्ष तक सीमित है। अफ्रीका के करीब 28 देशों को इस वैक्सीन की जरूरत है, मगर पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पाती है। ध्यान रहे, नए मलेरिया टीके की 10 करोड़ से 20 करोड़ खुराक प्रतिवर्ष बनाई जा सकती है। जाहिर है, नए टीके आने पर अफ्रीका ही नहीं, दुनिया के दूसरे देशों में भी अब लाखों लोगों की जान बचेगी। नए लाइसेंस प्राप्त टीके का निर्माण भारतीय कंपनी द्वारा किया जाएगा, जो यह भी सुनिश्चित करता है कि दुनिया में मलेरिया का टीका अन्य टीकों की तुलना में कम कीमत पर उपलब्ध होगा। भारत के लिए यह बहुत सकारात्मक बात है।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5020

	6				9		8	5
9	4				6			2
	8	1			4			3
6						1		8
				3				
2		8						9
3			1			8	4	
8			6				5	7
4	7		2				3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5019

5	7	1	6	9	3	2	4	8
9	3	6	2	8	4	1	7	5
8	4	2	5	1	7	6	3	9
7	8	9	3	2	5	4	6	1
2	6	5	1	4	9	7	8	3
3	1	4	7	6	8	5	9	2
1	5	3	9	7	6	8	2	4
4	9	7	8	5	2	3	1	6
6	2	8	4	3	1	9	5	7

वर्ग पहेली 5020

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1970 को इस देश ने स्वतंत्रता हासिल की (2)
3. 1954 को बॉलीवुड की इस अभिनेत्री ने जन्म लिया, इस अभिनेत्री की पहली फिल्म सावन भादों (1970) थी (2)
5. शिकन, ताकत, मरोड़, शक्ति (2)
7. आजीविका, जीवन यापन साधन (2)
8. पुराणानुसार उज्जयिनी के राजा चंडसेन की पुत्री जो चंद्रवंशी सहस्त्रानीक के पुत्र उदयन को ब्याही थी (5)
10. एक अन्न जिससे मदिरा का निर्माण भी होता है (1)
11. अपमान, अनादर (उर्दू) (3)
12. एक कर्ण आभूषण, गेहूं, जौ कीटमल में लगने वाला कीड़ा (2)
14. माता सरस्वती का एक नाम (3)
16. रगड़ या पीसकर टुकड़े-टुकड़े करना (3)
18. तौलने की एक प्राचीन ईकाई (2)
19. किसी की स्थिति को यह भी कहा जाता है (3)
21. पुरानी चिकित्सा करने वाला (3)
22. शब्द ब्रह्म, नादरूपिणी वाणी (2)
24. सहित, जड़ित, मिश्रित (2)

ऊपर से नीचे

1. उत्तरप्रदेश का यह स्थान चूड़ी बनाने के कारखाने के लिए प्रसिद्ध है (5)
2. बड़ी बहन के लिए संबोधन, दीदी (2)
3. नर्मदा नदी का एक नाम यह भी है (2)
4. विशिष्ट, खासकर (3)
5. देह, काया, तन, शरीर (3)
6. भीगड़ा, भजी (2)
9. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म सीआईडी थी इसका जन्म 3 फरवरी 1938 को हुआ था (7)
13. दिल्ली की इस इमारत को पांचवें मुगल शासक शाहजहां ने बनवाया था (4)
15. हथेली में चुल्लू में पानी लेकर मंत्रपूर्वक पीना (4)
17. मोटी खमीरी रोटी (4)
20. तुषार फल, कुहरा (3)
22. पुराणानुसार मद्र देश की राजकुमारी जो पांडुराज की पत्नी थी (2)

वर्ग पहेली 5019 का हल

अ	म	ज	द	अ	ली	खां	■
ल	ति	■	स्तु	■	प	ली	ना
व	■	प	र	मा	ना	■	■
तु	ली	या	■	मि	■	■	त
ली	■	म	हे	श	भू	प	ति
या	म	■	ल्ली	■	त	ला	त
■	ल	ला	ट	■	ना	क	■
कै	ला	श	■	पं	च	■	■

कोई भी तलाशी बिना मजिस्ट्रेट एवं वीडियोग्राफी के नहीं की जाएगी-कलेक्टर

नीमच, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 के दौरान निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही राजनैतिक दलों की सभा रैलियों, सार्वजनिक बैठको व बडे खर्चो पर सतत निगरानी की जा रही है। कोई भी तलाशी बगैर मजिस्ट्रेट एवं बगैर वीडियोग्राफी के नहीं की जाएगी। महिलाओं के हेण्डपर्स की तलाशी भी नही ली जायेगी। यह जानकारी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी की उपस्थिति में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित एफ.एस.टी., एस.एस.टी. दलों में शामिल अधिकारी-कर्मचारियों के प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स डॉ.राजेश पाटीदार ने दी। इस प्रशिक्षण में निर्वाचन में पुलिस के दायित्वों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में फ्लाईंग स्कॉट के दायित्व, एसएसटी के दायित्व, एस.एस.टी. द्वारा जप्ती के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने प्रशिक्षण में कहा, कि सभी एस.एस.टी., एफ.एस. सौंपे गए दायित्वों का तत्परतापूर्वक पालन करें और कोई भी समस्या आती हैं, तो वे तुरंत जिला निर्वाचन कार्यालय के कन्ट्रोल रूम जो चौबीस घन्टे चालू है। उस पर अपनी सूचना दे सकते है। साथ ही टोल फ्री नम्बर-1950 पर भी अपनी सूचना दे सकते है। जिला कन्ट्रोल रूम का नम्बर 07423-257566 पर भी सूचनाए दी जा सकती है। प्रशिक्षण में पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी ने बताया, कि निर्वाचन के दौरान एस.एस.टी., एफ.एस. की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा, कि मध्यप्रदेश एंव राजस्थान बार्डर पर दस चेक पोस्ट प्रारम्भ हो गए हैं। यहां सीसीटीव्ही कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी की जा रही है। एस.एस.टी और एफ.एस.भी चेक पोस्ट पर सूचना प्राप्त होने पर तत्काल पहुंचकर कार्यवाही करें। प्रशिक्षण में सीईओ श्री गुरूप्रसाद, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह सहित एसएसटी, एफएस के दल में शामिल अधिकारी उपस्थित थे।

स्वस्थ शरीर के लिये योग और स्वस्थ लोकतंत्र के लिये वोट जरूरी

दशपुर योग शिक्षा संस्थान के साधकों ने ली मतदान करने की शपथ

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर योग शिक्षा संस्थान के साधकों ने योग भवन में आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान करने और परिवार सदस्यों और इष्टमित्रों को मतदान करने हेतु प्रेरित करने की शपथ ली।

योग गुरू सुरेन्द्र जैन ने सभी साधकों को शपथ दिलाते हुए कहा कि जिस प्रकार स्वस्थ रहने के लिये योग करना जरूरी है उसी प्रकार स्वस्थ लोकतंत्र हेतु मतदान करना जरूरी है। आपने कहा कि योग और वोट के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए खुद भी करे और दूसरों को भी इस हेतु प्रेरित करे। उपस्थित सभी साधकों ने शत प्रतिशत मतदान हेतु अपनी सहभागिता दर्ज कराने की शपथ ली। इस अवसर पर संस्था सचिव लोकेन्द्र जैन, योग शिक्षक जिनेन्द्र उकावत, प्रीति जैन, जी.डी. मित्तल, सोनल जैन, विजय पलोड, राजकुमार अग्रवाल,अरूण शर्मा, संध्या शर्मा, अनिल कोठारी, दिनेश पारीख, विनिता प्रधान, अजय प्रधान, प्रदीप जैन, कृष्णा मण्डलोई, लालुप्रसाद चंचोसिया, नरेन्द्र चिचानी, गोपालकृष्ण पलोड, शैलेन्द्र मिण्डा, नीलम जैसवानी, हेमा लोढा, आनन्द कश्यप, शंकी कश्यप, श्रीमती राजू कर्नावट, रिम्पी छाबडा, मीनाक्षी मेहता, विभा लोढा सहित सैकडों योग साधक उपस्थित थे।

केबीसी के फर्जी वीडियो पर सोनी टीवी ने साइबर सेल में की शिकायत, लोगों को किया आगाह

सीएम शिवराज की छवि धूमिल करने की नीयत से ओरिजनल वीडियो से की गई छेड़छाड़

प्रतिभागी ने खुद सामने आकर वीडियो को बताया था फर्जी

भोपाल, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सोनी टीवी ने अपने लोकप्रिय क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति का एक मनगढ़ंत वीडियो ऑनलाइन वायरल होने के बाद एक बयान जारी किया है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर चैनल ने कहा है कि उन्होंने इस मुद्दे पर साइबर क्राइम सेल में शिकायत की है। साथ ही इस फेक वीडियो को साझा करने से भी लोगों को आगाह किया है। दरअसल वीडियो में अमिताभ बच्चन की नकली वॉयस ओवर में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर अपमानजनक सवाल पूछा गया था। जिसे कांग्रेस नेता वायरल कर रहे थे।

सोनी टीवी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा-हमें हमारे शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के एक अनाधिकृत वीडियो के प्रसार के बारे में सतर्क किया गया है। यह वीडियो भ्रामक रूप से हमारे होस्ट की मनगढ़ंत वॉयस-ओवर को ओवर लेप करता है और विकृत सामग्री प्रस्तुत करता है। हमारे लिए शो की ईमानदारी और हमारे दर्शकों के भरोसे को कायम रखना सर्वोपरि है, और हम साइबर क्राइम सेल के साथ इस मामले को सक्रिय रूप से संबोधित कर रहे हैं। हम ऐसी गलत सूचनाओं की कड़ी निंदा करते हैं, अपने दर्शकों से सतर्क रहने और असत्यापित सामग्री साझा करने से बचने का आग्रह करते हैं।

केबीसी के फेक वीडियो में क्या है?- सोनी टीवी ने जिस वीडियो का हवाला दिया है कांग्रेस सदस्य रितु चौधरी ने साझा किया था। यह कौन बनेगा करोड़पति की नियमित प्रोग्रामिंग की एक क्लिप जैसा लग रहा था। हालांकि, एक बार जब अमिताभ बच्चन ने सवाल पूछा, तो आवाज़ थोड़ी बदल गई और यह उनके लिप-सिंक के साथ मेल नहीं खा रही थी, जैसा कि वीडियो में देखा जा सकता है। पहली नजर में ही ये वीडियो फर्जी समझ आ रहा है, इसके बावजूद कांग्रेस नेताओं ने इस वीडियो को साझा कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की छवि धूमिल करने की कोशिश की।

अंतर्राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ जागरूकता शिविर

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा प्रसारित वार्षिक कार्ययोजना वर्ष 2023-24 के अनुपालन में तथा माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री अजीत सिंह साहब के मार्गदर्शन तथा जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री हर्ष सिंह बहरावत साहब के निर्देशन में दिनांक 10 अक्टूबर 2023 को अंतराष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर बी आर नाहटा कॉलेज ऑफ़ फार्मेसी मंदसौर में जागरूकता शिविर का आयोजन सम्पन्न हुआ।

शिविर को संबोधित करते हुए जिला न्यायाधीश ने मानसिक स्वास्थ्य की महत्ता को रेखांकित करते हुए बताया कि इक्कीसवी सदी की भाग दौड़ भरी जिंदगी में मानसिक तनाव आम हो गया

है परंतु यह एक सीमा के बाद मानसिक विकार का रूप ले लेता है इसलिए इसकी त्वरित पहचान बहुत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे मानसिक विकार का सामना कर रहे लोगों से सहानुभूति रखे और जल्द से जल्द उचित चिकित्सकीय परामर्श दिलवाएं। उन्होंने विद्यार्थियों में तनाव की वजह से हो रहे आत्महत्या के मामलों पर गहरी चिंता जताते हुए बताया की कोई भी कारण इतना बड़ा नहीं है जिसकी वजह से किसी को अपनी जीवन लीला समाप्त करनी पड़े। माननीय सचिव महोदय ने सभी से अनुरोध किया कि अपनी मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल हेतु योग, प्राणायाम आदि का नियमित रूप से अभ्यास करें और साथ ही सोशल मीडिया के सजग उपयोग हेतु भी प्रेरित किया। कार्यक्रम को मनोचिकित्सक डॉ प्रहलाद पाटीदार द्वारा भी संबोधित किया जा कर विद्यार्थियों को मानसिक बीमारियों के लक्षण के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही उन्होंने बताया कि अगर कोई व्यक्ति किसी प्रकार की मानसिक समस्या का सामना कर रहा है तो टेली मानस हेल्पलाइन पर मदद हेतु संपर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार, कॉलेज आफ फार्मेसी के प्राचार्य श्री रुपेश सोनी, प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अफजलपुर पुलिस ने दीवारों से राजनीतिक पोस्टर हटाये

खजूरीआंजना, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू होते ही सामान्य प्रशासन व पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। कलेक्टर दिलीप यादव, मंदसोर पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, अपनी टीम के साथ स्वयं सडकों पर राजनीतिक पोस्ट व होर्डिंग हटवाते हुए नजर आये। वहीं अफजलपुर थाना प्रभारी निरीक्षक दर्शना मुजाल्दे ने बताया कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए आदर्श आचार संहिता लगीं है जिसके दौरान नगर व क्षेत्र का भ्रमण किया गया और लोगों से आचार संहिता का पालन करवाना है वहीं गाड़ियों को रोककर चेकिंग व अन्य जो पेम्पलेट लगे है उनको हटाया गया और जनता को भी बताया गया कि कहीं कहीं पर पोलिंग पार्टी से रिलेटेड झंडा बैनर लगे हो तो तत्काल हटाया जाए वहीं थाना पुलिस की टीम के साथ मिलकर नगर व कुचडोद क्षेत्र में दीवारों पर से राजनीतिक पोस्टर भी हटवाये गए।

राज्य स्तरीय शालेय जुडो प्रतियोगिता का शुभारम्भ

नीमच, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी ने प्रतियोगिता की विधित घोषणा करते हुए कहा, कि स्कुलों में जुडो जैसी कलाओं को प्राथमिकता दी जाना चाहिए, ताकि बच्चों में आत्मविश्वास और आत्म रक्षा के भाव उत्पन्न हो। बच्चे जब उच्च पदों पर जायेगें, तो यह जुडो उनके लिए काम आयेगा। एसपी श्री तोलानी ने मुख्या अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा, कि हार-जीत कोई महत्व नही रखती है। हमारा आत्म विश्वास कभी भी कम नही होना चाहिए। आप जब वापस अपने घर जाओ तो आपको नीमच कैसा लगा यह जरूर बताये। सभी बच्चों ने जुडो के आत्मारक्षा से जुडे महत्वपूर्ण गुरू बताये।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में ध्वज चढाया गया और मार्च पास्ट किया गया। जिसमें भोपाल, ग्वालियर, इन्दोर जबलपुर संभाग आदिवासी जनजाति विकास निगम, नमर्दापुरम संभाग, रीवा सागर, उज्जैन संभाग के खिलाडी विद्यार्थियो ने भाग लिया। प्रतियोगता का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए जिला क्रीडा अधिकारी श्रीमती सावित्री मालवीय ने बताया, कि राज्य स्तरीय शालेय जुडो प्रतियोगता 2023-24 में 14-17 वर्ष के विभिन्न संभागों से 330 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री सीके शर्मा ने स्वागत उदबोधन देते हुए कहाकि यह हमारे लिये गर्व की बात है, कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन हमारे यहां हो रहा है। उन्होने सभी प्रतिभागियों और कोच को शुभकामनाए दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विक्रम पुरस्कार से सम्मानित श्री अमरसिंह राजपूत ने की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन सुश्री मंजुलाधीर ने किया। आभार प्रदर्शन श्री मुकेश जैन ने माना।

251 फीट लम्बी चुनरी भक्तगण करेंगे माँ नालछा को भेंट

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नवरात्रि में चुनरी यात्रा के आयोजन को लेकर महावीर फतेह करे सेवा संस्था बालाजी ग्रुप की बैठक ग्राम अलावदाखेडी में रविवार को सम्पन्न हुई जिसमें निर्णय लिया कि परम्परानुसार इस वर्ष भी नवरात्रि में ग्राम अलावदा खेडी से माँ नालछा माता मंदिर तक चुनरी यात्रा निकालकर 251 फीट लम्बी चुनरी माँ नालछा को भेंट की जाएगी। बैठक में बालाजी ग्रुप के जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी ने बताया कि बालाजी ग्रुप जिले में धार्मिक परम्पराओं को पूर्ण भावनाओं के साथ निर्वाह करने हेतु कृत संकल्पित है। ग्रुप द्वारा पर्वों पर भव्य कार्यक्रम आयोजित कर परम्पराओं को जीवित रखने का कार्य किया गया। इस वर्ष भी नवरात्रि में माताजी को चुनरी चढाई जा रही है व माताजी से सबकी खुशहाली और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की जाएगी।

बीयर बदलने की बात पर पीटा, शराब ठेकाकर्मी के खिलाफ केस दर्ज

पिपलियामंडी, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। बीयर बदलने की बात पर ग्राहक के साथ मारपीट के बाद एक्सरे जांच में फेक्चर आने पर पुलिस ने शराब ठेका कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार चिकलाना, थाना कालूखेडा, जिला रतलाम निवासी घनश्याम पिता अनारसिंह राजपूत ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि 2 सितम्बर 2023 को पिपलिया शराब ठेके पर बीयर ली। मुझे किंगफिशर के बजाए पॉवर बीयर लेना थी, मैंने बीयर बदलने की कहा तो ठेके पर कार्यरत कर्मचारी ने गाली-गलोज की व मारपीट की। बीच-बचाव करने आए मेरे साढु वीरेन्द्रसिंह के साथ भी मारपीट की। जिला अस्पताल में मेरा इलाज हुआ जिसमें घुटने में फेक्चर बताया। पुलिस ने एक्सरे रिपोर्ट व विवेचना के बाद मंगलवार को शराब ठेकाकर्मी बालुगंज औरंगाबाद, बिहारी निवासी अरुण पिता निर्मल हरिजन के खिलाफ धारा 325, 323, 504 में केस दर्ज किया।

3 बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

पिपलियामंडी, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अलग-अलग थाना क्षेत्र में चोरी हुई तीन बाइक के मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पिपलिया पुलिस चोकी पर पलेवना निवासी अर्जुनसिंह परिहार ने सोमवार को शिकायत दर्ज कराई कि मकान के बाहर टीनशेड के नीचे दो बाइक (एमपी 14 एनडी 9336) व (एमपी 14 एमएल 9910) खडी थी। सुबह घर आया तो दोनों बाइक नही थी। मैंने घर पर लगे सीसीटीवी चेक किए तो देखा कि रात्रि 2 बजे करीब दो अज्ञात बदमाश घर के बाहर खडी दोनों बाइक के साथ एक लहसुन का कट्टा ले जाते हुए कैद हुए। पुलिस ने धारा 379 में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया।

घर के बाहर खडी बाइक चोरी:- खानूखेडा निवासी प्रभुसिंह पिता बापूसिंह सौंधिया ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि 4 सितम्बर 2023 को रात्रि में घर के बाहर बाइक (एमपी 14 एमसी 4097) को खडा किया था। सुबह उठकर देखा तो बाइक नही दिखी। काफी तलाश की लेकिन बाइक का कोई पता नही चला। कोई अज्ञात बदमाश बाइक को चोरी कर ले गया है। पुलिस ने विवेचना के बाद मंगलवार को चोरी का प्रकरण दर्ज किया।

भाटी सिलाई कला प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री एवं प्रवक्ता श्री सुरेश भाटी को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी सिलाई कला प्रकोष्ठ का गठन करते हुये उन्हें प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौपी गयी है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री कमलनाथजी, प्रदेश प्रभारी श्री रणदीपसिंह सूरजेवाला की सहमति से समस्त विभागो एवं प्रकोष्ठो के प्रभारी श्री जेपी धनोपिया ने श्री भाटी की नियुक्ति करते हुये उन्हें मध्यप्रदेश में सिलाई कला से जुडे वर्ग विशेषकर दर्जी समाज के नागरिको को कांग्रेस विचारधारा से जोडने एवं उनके कल्याण के लिये कार्य करने हेतु निर्देश प्रदान किये है।

यह उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों श्री भाटी ने कमलनाथ से मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में दर्जी समाज को प्रतिनिधित्व देने के साथ ही सिलाई कला से जुडे वर्ग के लिये वचन पत्र में स्थान देने की अपील करते हुये सरकार बनने पर उनके लिये विशेष प्रावधान करने का आग्रह किया था। श्री भाटी ने अपनी नियुक्ति के लिये माननीय श्री कमलनाथजी एवं प्रदेश प्रभारी श्री जेपी धनोपियाजी का आभार मानते हुये उन्हें यथा शक्ति कार्य कर संगठन को मजबूती देने का भरोसा दिलाया है। यह जानकारी जिला कांग्रेस महामंत्री श्री विश्वास दुबे ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

श्वान बना पहचान

दुनिया में बन गया
एक नया विधान
जिसके जितने श्वान
वो उतना महान
श्वान बना पहचान
अतिथि घर में आते
अपना परिचय छोड़
श्वान की नस्ल बताते
मानो या ना मानो
पर सच है श्रीमान्
वजूद आपका फीका
श्वान बना पहचान।

नन्दकिशोर राठौर, मन्दसौर

महाराजा अग्रसेन जयंती पर आयोजित पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ आज

14 को अग्रवाल प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा, 15 को निकलेगा नगर में चल समारोह

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महाराजा अग्रसेन जी की 5147 वी जन्म जयंती मंदसौर अग्रवाल समाज देसी पंचायत द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी ख स्थानीय नरसिंहपुरा .स्थित महाराजा अग्रसेन मांगलिक भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ 11 अक्टूबर बुधवार को रात्रि 7:30 बजे महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ होगा तथा 15 अक्टूबर को अग्रसेन जयंती पर नगर में गाजे बाजे के साथ चल समारोह निकलेगा। इस आशय की जानकारी देते हुए अग्रवाल समाज देसी पंचायत के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, महासचिव ओम अग्रवाल सर एवं प्रवक्ता गोपी अग्रवाल ने बताया कि पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेन जी की जन्म जयंती के अवसर पर 11 अक्टूबर बुधवार को रात्रि 7:30 बजे पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ होगा ,रात्रि 8:30 बजे फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता 0 से 3 वर्ष के लिए कार्टून थीम पर , नर्सरी से कक्षा एक के बच्चों के लिए थीम मूवी विलेन तथा कक्षा दूसरी से पांचवी तक के बच्चों के लिए शिक्षक विषय पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया हैं। दिनांक 12 अक्टूबर गुरुवार को संध्या 5:00 बजे न्यूज़ पेपर से बास्केट बनाना, 5:30 बजे लंगडी टांग ,6:00 बुक बैलेंस ,संध्या 6:30 बजे अक्षर जमाना, 7:00 बजे राजा मंत्री चोर सिपाही ग्रुप गेम ,रात्रि 8:00 बजे डांस प्रस्तुति ,रात्रि 8:30 बजे आपसी नोंकझोंक , रात्रि 9:30 बजे तोल मौल के बोल प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया हैं.ख दिनांक 13 अक्टूबर शुक्रवार को संध्या 5:00 बजे जलवा के पगलिया बनाना, 5:30 बजे पेंसिल स्केचिंग स्वच्छ भारत अभियान विषय पर, 6:00 बजे पेंसिल कैलीग्राफी, 6:30 सब्जी से ड्राइंग ,संध्या 7:00 बजे ढूंढो खेलों और पाओ, रात्रि 7:30 बजे मटकी फोड ,रात्रि 8:00 बजे डांस स्कूल कॉलेज लाइफ पर आधारित, रात्रि 9:00 बजे डांस बारिश पर आधारित होगा।

दिनांक 14 अक्टूबर शनिवार को अग्रवाल प्रीमियम प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन रखा गया है जो प्रात: 7:00 बजे आरंभ होगी, संध्या 5:00 स्टेट टेंट ,6:00 बजे लकी गेम, 6:30 बजे ग्रुप गेम ,रात्रि 7:30 बजे गप्प मारो, रात्रि 8:30 बजे शंखनाथ 9:00 बजे फैमिली शो प्रतियोगिता का आयोजन होगा। दिनांक 15 अक्टूबर रविवार को महाराजा अग्रसेन जयंती पर प्रात: 9:15 बजे नृसिंह मंदिर जनकुपुरा पर अभिषेक पूजन जानकीलाल कबाडी परिवार द्वारा रखा गया ख संध्या 4:00 बजे नगर में नरसिंह मंदिर से भव्य चल समारोह निकलेगा जो कि नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ नरसिंहपुरा स्थित महाराजा अग्रसेन मांगलिक भवन पहुंचेगा जहां पर पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पुरस्कार वितरण के साथ समाज की प्रसादी का आयोजन होगा। अग्रवाल समाज देसी पंचायत के संरक्षक विनोद गर्ग एवं नरेंद्र अग्रवाल संयोजक नंदकिशोर अग्रवाल ,अध्यक्ष आशीष गुप्ता, महासचिव ओम अग्रवाल सर ,महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती बीना गर्ग ,महासचिव श्रीमती मनीष गर्ग ,गर्ल्स क्लब अध्यक्ष सुश्री आशि गोयल , महासचिव सुश्री खुशी गोयल ने समस्त अग्रवाल समाज के परिवारों से अनुरोध किया कि महाराजा अग्रसेन जी की जन्म जयंती पर आयोजित पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सह परिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाये।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	45	1900	2207
उडद	61	6099	9200
सोयाबीन	8000	3500	4600
गैहु	4000	2450	3166
चना	48	5100	6020
मसुर	350	4951	6331
धनिया	547	5212	6931
लहसुन	18000	6700	15000
मैथी	928	5500	7221
अलसी	1674	4501	4920
सरसो	339	4751	5176
तारामीरा	1	5000	5000
इसबगोल	34	15500	21300
प्याज	2625	431	2151
कलोंजी	68	10001	16400
डॉलर	5	8101	13200
तिल्ली	32	18322	15709
मटरसुखी	9	2000	2600
असालीया	1	10180	10180

कलेक्टर ने किया मीडिया सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण

नीमच, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन व्दारा मंगलवार की शाम को कलेक्टोरेट में स्थापित मीडिया सेंटर एवं मीडिया मॉनिटरिंग कक्ष का आकस्मिक निरीक्षण कर न्यूज चैनल मॉनिटरिंग, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग कार्य का जायजा लिया। कलेक्टर ने मीडिया मॉनिटरिंग दलों व्दारा किए जा रही न्यूटज चैनल मॉनिटरिंग पंजी का अवलोकन भी किया तथा संबंधितों को न्यूज चैनलों, सोशल मीडिया एवं प्रिंट मीडिया में पर राजनैयिक स्वरूप के समाचारों, पेड न्यूज, विज्ञापनों, की सतत मॉनिटरिंग एवं निगरानी करने के निर्देश भी दिए।

श्रद्धा व कृतज्ञता का पर्व है श्राद्ध...

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्राद्ध पक्ष भारतीय जीवनशेली में अपने पूर्वजो का स्मरण करने उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने एवम उनकी आत्मा को सदगति मिले इस भावना के साथ किया जाने वाला संकल्पो का पर्व है। इसमे लोग अपने पितरो के लिए श्राद्ध कर्म करते है। पूर्वजो के प्रति श्रद्धा निवेदन करने का यह पर्व है। इसके पीछे मान्यता है की जिन पूर्वजो के कारण हम आज अस्तित्व में है जिनके गुण व कोशल आदि हमे विरासत में मिले है उनका हम पर न चुकाए जा सकने वाला ऋण है। हिंदू धर्म की मान्यता में मनुष्य के उप्पर तीन प्रकार के ऋण होते है पितृ ऋण, देव ऋण और ऋषि ऋण। इन तीनो में प्रमुख पितृ ऋण का निवारण पितरो के निम्मित श्राद्ध कर्म करने से होता है। वैदिक काल से ही श्राद्ध कर्म करने की परंपरा चली आ रही है। पितृ पक्ष में सनातनी परंपरा को मानने वाले अपने पूर्वजो के प्रति पूरी तरह से श्रद्धान्वत दिखते है इसलिए इसे श्राद्ध पर्व कहते है। हमारी संस्कृति में ऐसी मान्यता है की पितृपक्ष में पितर अपने वंशजो के द्वारा किए गए पिंडदान और तर्पण से तृप्त होते है। पितरो को पितृपक्ष में अपने वंशजो से श्राद्ध पाकर तृप्ति मिलती है। लोगो को पितृपक्ष ऐसा अवसर उपलब्ध कराता है जब वे अपने पुरखो की आत्मा को प्रसन्नता से भर सके। उनकी आत्मा की तृप्ति और प्रसन्नता के लिए श्राद्ध कर्म से उनकी अगली पीढी को विमुख नही होना चाहिए। वाल्मीकि रामायण में वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने भी अपने पिता की आत्मा की संतुष्टि के लिए पिंडदान किया था। वे मां सीता और भाई लक्ष्मण के साथ गया भी गए जंहा सभी ने मिलकर श्राद्ध कर्म किया। श्राद्ध कर्म को तीन पीढियों तक की मान्यता शास्त्रो में वर्णित है। माता - पिता जो जीवनभर बच्चो के जीवन को संवारने में कठोर परिश्रम करते है उनकी मृत्यु के पश्चात उन बच्चो का भी तो कुछ कर्तव्य बनता है। पितृपक्ष में शास्त्र सम्मत आचार विचार का व्यवहार कर के बच्चे अपने माता - पिता की आत्मा को प्रसन्न कर सकते है। पितृपक्ष में पिंडदान और जल तर्पण का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार परिवार जनो के द्वारा इस प्रकार की प्रेम की आहुति पाकर पूर्वज कितने प्रसन्न व संतुष्ट होते होंगे इसको शब्दो में नही बताया जा सकता। जब मनुष्य जीवित होता है तब वो अपने आत्मकल्याण के लिए स्वयं प्रयास करता है किंतु जब वो शरीर छोड देता है तब उसकी आत्मा जिस अवस्था अथवा स्थिति में होती है वहा से उच्चलोक में उन्नति के लिए मोक्ष पाने के लिए शरीर के बिना वह कैसे प्रयास कर सकता है इसलिए दिवंगत आत्मा की उन्नति का प्रावधान भी हमारी संस्कृति में श्राद्ध के माध्यम से किया गया है। धार्मिक व सांस्कृतिक परंपराओ से समाज एवम परिवार में एकनिष्ठ आती है। पितृपक्ष को मनाने से हमारी नई पीढी में सांस्कृतिक सोच के साथ बुजुर्गो के सम्मान की भावना का जागरण होता है। श्राद्ध शब्द श्रद्धा से बना है। श्राद्ध से श्रद्धा जीवित रहती है। श्रद्धा को प्रकट करने का जो प्रदर्शन होता है वह श्राद्ध कहा जाता है। आत्मिक प्रगति के लिए सबसे महत्वपूर्ण तथ्य है श्रद्धा। श्रद्धा में शक्ति भी है। वह पत्थर को भगवान बना देती है और मनुष्य को नर से नारायण स्तर तक उठा ले जाती है। किंतु श्रद्धा मात्र चिंतन या कल्पना का नाम नही है उसके प्रत्यक्ष प्रमाण भी होना चाहिए। यह उदारता, सेवा, सहायता, करुणा और निस्वार्थ भाव से किए कार्य के द्वारा किसी भी रूप में हो सकती है। इन्हे केवल धार्मिक क्रियाकलापो व चिंतन तक सीमित न रखकर कार्यरूप में, परमार्थपरक कार्यों में हीं परिणित करना होता है यही सच्चे अर्थों में श्राद्ध है।

गौरव सोनी, मंदसौर

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

पड़ोसी जिलों में एफएसटी टीम समन्वय के साथ लगातार काम करें

विधानसभा चुनाव के संबंध में बॉर्डर समन्वय बैठक संपन्न

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन के लिए बॉर्डर समन्वय बैठक कलेक्ट्रेट चेंबर में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कहा कि सभी जिले आपसी समन्वय के साथ काम करें। रणनीति तैयार करते हुए लगातार कार्यवाहियां करनी है। रूटीन पुलिसिंग का कार्य लगातार चले। अवैध शराब, मादक पदार्थ तस्करी के संबंध में लगातार कार्यवाही होनी चाहिए। अवैध शराब एवं अन्य मादक पदार्थ पदार्थों की तस्करी के संबंध में रेड डालने से पहले बेहतर रणनीति तैयार की जाए।

सभी जिलों में रेड डालने का कार्य एक साथ होना चाहिए। सभी जिले अपनी अपनी कार्यवाहियां एवं आगे की रणनीति के संबंध में रिपोर्ट आपस में साझा करेंगे। सभी नाकों का संचालन व्यवस्थित तरीके से हो। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया, अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान सहित अंतरराज्य जिलों से जुड़े अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

आंदोलन की राह पर गए कई कर्मचारी हुए निराश...

आचार संहिता लगते ही टूटी उम्मीदें

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। चुनाव से पहले आंदोलन कर रहे कई कर्मचारी संगठनों की मांगे सरकार ने मान ली थी। लेकिन कई संगठन आंदोलन की राह पर थे और आचार संहिता लग गई। जिससे अब कर्मचारियों की कई मांगे अधूरी रह गई। सोमवार से आचार संहिता लगने के बाद अब धरना, प्रदर्शन, आंदोलन बंद हो गए। ऐसे में कर्मचारियों की कई मांगे पूरी नहीं हो पाई।

बता दें कि शहर में पिछले दो माह से लगातार विरोध प्रदर्शन का सिलसिला जारी था। इसके तहत सत्याग्रह, रैली, काम बंद आंदोलन सहित अलग-अलग तरीकों से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था। इसमें अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, स्थायी कर्मी कल्याण संगठन, एनएचएम संविदा आउटसोर्स कर्मचारी संघ, आयुष चिकित्सक महासंघ सहित अन्य संगठन विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

यह थी प्रमुख मांगे...

✻ पुरानी पेंशन योजना की बहाली की जाए। ✻ पदोन्नति पर लगी रोक हटाई जाए। ✻ अनियमित कर्मचारियों को नियमित किया जाए। ✻ वाहन, भत्ता, मकान किराया, सातवे वेतनमान केंद्र के अनुसार दिया जाए। ✻ सीपीसीटी का बंधन समाप्त हो। ✻ आउटसोर्स प्रथा बंद हो।

डरा कर हार के डर से, खुद डर गया भाजपा हाई कमान

मंदसौर/उज्जैन, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जब भाजपा संगठन ने अपने विधानसभा प्रत्याशियों की दूसरी सूची जिसमें अनपेक्षित रूप से केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के नाम शामिल थे, जारी की तब बचे 151 सीटों के प्रतिस्पर्धी प्रत्याशियों में दहशत फैल गई थी। फैलना ही थी, क्योंकि घोषित नामो में से किसी ने भी, ना ही उनके करीबियों को यह उम्मीद थी कि उन्हें विधायक प्रत्याशी बनाया जाएगा ! खैर दहशती दूसरी लिस्ट के बाद सिंगल नाम की एक लिस्ट और अब 57 नाम की चौथी सूची जारी की गई तो प्रदेश की राजनीतिक का दृश्य फिर से एकदम बदल गया। जबकि, दूसरी सूची के बाद ऐसा लग रहा था कि अब जो भी नाम विधानसभा प्रत्याशियों के आएंगे, वह सभी दूसरी सूची की तरह केंद्रीय मंत्री और सांसदों के नाम की हैसियत वाले ही आएंगे।

चन्द्रमोहन भगत

ऐसे वातावरण के उलट 57 ऐसे नाम की सूची आई, जिसकी पहले से ही सतही तौर पर राजनीतिको को अपेक्षा थी। जब दूसरी सूची जारी हुई थी तो उसमें के अधिकांश नाम प्रदेश स्तर की पैनलों में राष्ट्रीय संगठन को भेजे भी नहीं गए थे। पर, चूंकि भाजपा हाईकमान हर हालत में प्रदेश में सरकार बनाने को कटिबद्ध है। इसलिए सांसदों, केंद्रीय मंत्रियों को प्रत्याशी बना सबको चौंका दिया था। भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी से लेकर जिलों के पदाधिकारी तक यह गुफ्तगू होने लगी थी कि प्रदेश संगठन और सरकार के कामकाज से भाजपा हाई कमान खुश नहीं है। स्पष्टकहें तो हार के डर के कारण ही एकदम अनपेक्षित नामों को प्रत्याशी बनाया गया था।

समाचारों और समीक्षको, जानकारों के अलावा प्रमुख विरोधी दल कांग्रेस के नेताओं ने भी यही प्रचारित किया कि भाजपा हाईकमान मध्य प्रदेश में हार के डर से पूरी चुनावी कमान अपने हाथ में रखना चाहता है। जब ऐसे समाचारों को हवा मिलने लगी की भाजपा हाईकमान हार के डर से ऐसा प्रयोग कर रहे हैं तो चुनावी वातावरण पर प्रतिकूल असर पड़ना स्वाभाविक था। कांग्रेस के प्रचार में भी इसे प्रमुखता से उजागर कर सार्वजनिक किया गया कि भाजपा हाईकमान को मध्य प्रदेश में कर्नाटक की तरह हारने का डर सता रहा है। इसी के साथ सर्वे एजेंसी ने भी दोनों दलों का मत प्रतिशत बराबर बताना शुरू कर दिया। किन्तु, कांग्रेस की सीटे अधिक बताने लगे। यही नहीं सोमवार को आचार संहिता लगने के पहले तक तो मामा शिवराज सिंह बहनों-भांजियों के लिए राहत भरी घोषणाएं करते रहे थे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के ऐसा करने का भी व्यापक असर यही प्रचारित हुआ कि भाजपा संगठन जीत के प्रति हताश और अनिश्चित भी है। ऐसे में संगठन जरा सा भी रिस्क लेने को तैयार नहीं है। जबकि, विरोधी दल कांग्रेस के नेता खुलेआम पत्रकारों को बता रहे थे कि हमारी योजनाओं को शिवराज घोषित करते जा रहे हैं जो डर का सूचक है ! कांग्रेस के, समाचार पत्रों के ऐसे काउंटर का ही असर है कि भाजपा हाईकमान का डर सतह पर आ गया।

अब फिर से अपने डर को छुपाने के लिए बाकी विधायक प्रत्याशियों का चयन प्रादेशिक नेताओं के जिम्मे कर दिए जाने की खबर है। यही मुख्य कारण है कि 57 नाम प्रदेश स्तर में पहले से ही अपेक्षित थे और अब तो इस सूची में यह भी स्पष्टहो रहा है कि भाजपा को अब जीत के लिए संघर्ष भी करना पड़ेगा। पहले का वातावरण कांग्रेस के खिलाफ ऐसा बना हुआ था कि भाजपाई प्रत्याशियों के सामने उन्हें टक्कर लेने वाले प्रत्याशी भी नहीं मिल रहे हैं। लेकिन, अब तस्वीर बदलती नजर आ रही है। क्योंकि, भाजपा हाईकमान का डर उजागर हो गया है!

इकलंगा, बंगड़ी तो किसी पहलवान ने कला जंग दांव लगाकर जीती कुश्ती

नृसिंह घाट रेसलिंग सेंटर द्वारा आयोजित हुआ एक दिवसीय कुश्ती दंगल

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री नृसिंह घाट रेसलिंग सेंटर द्वारा जन सहयोग से मंदसौर में एक दिवसीय कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। रविवार को संजय गांधी उद्यान में आयोजित हुए कुश्ती दंगल में मंदसौर, नीमच, रतलाम, उज्जैन, प्रतापगढ, ब्यावर सहित अन्य क्षेत्रों के 54 पहलवानों के बीच 27 कुश्ती दंगल हुए। पहलवानों ने कला जंग, बांगडी, धोबी पछाड, इकलंगा, निकाल दांव लगाकर कुश्ती जीती। कुश्ती दंगल में पहलवानों ने एक-दूसरे को पटखनी देने के लिये खूब दम लगाया। कुश्ती खेल के अंर्तराष्ट्रीय नियमों का पालन किया गया। विजेता एवं उपविजेता पहलवानों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि से सम्मानित किया गया। पहलवानों को हौंसला बढाने के लिये बड़ी संख्या में कुश्ती प्रेमी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने कहा की कुश्ती खेल हमारा प्राचीन खेल है। यह खेल बहुत ही मेहनत का खेल है। मंदसौर के पहलवान कुश्ती में मंदसौर का लगातार नाम गौरवान्वित कर रहे है। नगरपालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने कहा की कुश्ती खेल में स्वयं का बचाव करते हुए जीतने का प्रयास पहलवान करता है। बहुत ही फूर्ति और मेहनत का खेल है। जीत और हार खेल का हिस्सा है, हार से सबक लेकर आगामी समय में अच्छा खेलने के लिये प्रयास करना चाहिए। भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर ने कहा की मंदसौर सहित हमारे मालवा क्षेत्र में कुश्ती के क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, प्रतिभाओं को अवसर मिलते रहेंगे तो निश्चित ही मंदसौर व मालवा के पहलवान भी राष्ट्रीय और अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम गौरवान्वित करेंगे। नगरपालिका उपाध्यक्ष नम्रता चावला, भाजपा नेता अनिल कियावत, राजू चावला, रेडक्रास सोसायटी चेयरमेन रिप्पी चावला, जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष दिलीप ग्वाला ने भी सम्बोधित करते हुए पहलवानों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नीमच भाजपा जिला मंत्री ललित ग्वाला, नीमच नपा में पार्षद हरगो विंद दिवान, ग्वाला समाज सामाजिक संस्था के जिलाध्यक्ष अनिल मसानिया, भाजपा नेता नंदलाल गुजरिया, हितेन्द्र भाटी, बाबा पंचोली, विक्रम भैरवे, गज्जू बागडी उज्जैन, बंशी राठौर, विनोद मेहता, बंटी चौहान, खूबचंद पहलवान, मुन्नालाल बानिया थे। इस अवसर पर आयोजन समिति के पवन ग्वाला, श्याम बम ग्वाला, अशोक हिनवार, बलवंत शक्तावत, मोहित रियार, अनुप माहेश्वरी, नितिन ब्रिजवानी, अनिल ग्वाला, बल्लू थम्मार, गोपाल ग्वाला, गोविंद सोनी, आदि उपस्थित थे। संचालन विनय दुबेला ने किया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण टीमों का प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के लिए गठित टीमों एवं बैंक शाखा प्रबंधकों का प्रशिक्षण मंगलवार को कलेक्टर श्री दिनेश जैन की अध्यतक्षता एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव साहू की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया एवं संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह एवं एलडीएम श्री सत्येन्द्र शर्मा भी उपस्थित थे।

इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स डॉ.राजेश पाटीदार ने निर्वाचन व्ययों पर प्रभावी निगरानी, आर.पी.एक्ट 1951 की धारा 77(1) के प्रावधान, निर्वाचन में धन बल के प्रयोग को रोकने के लिए आयोग व्दीारा उठाये गये कदम, निर्वाचन व्याय अनुवीक्षण तंत्र की संरचना, व्यय प्रेक्षक के जिले में प्रस्तावित भ्रमण, व्यय प्रेक्षक की रिपोर्ट, व्यय प्रेक्षक की भूमिका, सहायक व्यगय प्रेक्षक एवं उनके दायित्व, कार्य, वीडियों निगरानी टीमे, व्ही,व्हीटी, लेखा टीम, उडन दस्तो, दैनिक रिर्पोट का प्रेषण, जप्ती की प्रक्रिया, एसएसटी के कार्य, बैंकों से नगद निकासी, संदेहजनक लेनदेन के संबंध में बैंकों से सूचना प्राप्ति करने, व्यय अनुवीक्षण सेल, अभ्यर्थी का पृथक बैंक खाता, नगद लेन देन या परिवहन, वाहनों का उपयोग आदि बिंदुओं पर पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से प्रशिक्षण दिया।

कलेक्टर ने किया एमसीएमसी कक्ष का निरीक्षण

मंदसौर, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने जिला पंचायत स्थित एमसीएमसी कक्ष का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर नजर रखने के लिए टीवी कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका अवलोकन किया। एफएम रेडियो पर पैड न्यूज एवं विज्ञापनो पर नजर रखने के लिए गठित निगरानी दल का अवलोकन किया।

एमसीएमसी समिति के नोडल अधिकारी द्वारा बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विधानसभा निर्वाचन 2023 की घोषणा के साथ ही एम.सी.एम.सी कक्ष क्रियाशील हो गया है। मीडिया मानीटरिंग और सर्टिफिकेशन कमेटी एम.सी.एम.सी

कक्ष जिला पंचायत कार्यालय में 24 घण्टे कार्य कर रहा है। इस अवसर पर व्यय लेखा के नोडल अधिकारी श्री कुमार सत्यम, जिला स्तरीय एमसीएमसी समिति के नोडल अधिकारी श्री चौहान, समिति के सदस्य, पेड न्यूज एवं विज्ञापन पर निगरानी के लिए गठित दलों के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

80 लीटर शराब के साथ 6 को पकड़ा

पिपलियामंडी, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में साढ़े 80 लिटर अवैध शराब के साथ 6 आरोपियों को पकडा। नाहरगढ पुलिस ने 25 लिटर हाथ भट्टी शराब के साथ बेटीखेडी निवासी प्रीति पति अनिल बाछडा को, 20 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ बेटीखेडी डेरा निवासी राहुल पिता विलास को, 15-15 लिटर शराब के साथ कचनारा निवासी दीपक पिता बद्रीलाल बागरी व गोपाल पिता शंकरलाल बागरी को, पिपलिया पुलिस ने 30 क्वार्टर देशी शराब (साढे 5 लीटर) के साथ बोरखेडी जावरा निवासी बलवन्तसिंह पिता मोहनसिंह राजपूत को, मल्हारगढ पुलिस ने 16 क्वार्टर के साथ पहेडा मगरा निवासी मनोज पिता गोटूलाल दोसीवाला को पकडा। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट में केस दर्ज किया।

कार्यो की जानकारी तत्काल भेजने के निर्देश

नीमच, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली व्दारा 09 अक्टूबर 2023 को आगामी विधानसभा निर्वाचन, 2023 के लिए निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा की जा चुकी है। निर्वाचन की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता भी प्रभावशील हो चुकी है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए है, कि वे अपने विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रगतिरत अथवा स्वीकृत कार्यो, निर्माण कार्यो की जानकारी तत्काल डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी कंट्रोल रूम सुश्री किरण आंजना को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करावें।

रात्रि 10 बजे से से प्रात: 6 बजे तक नहीं किया जा सकेगा लाउडस्पीकर का प्रयोग

कलेक्टर ने कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

नीमच, 10 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने सभी राजनैतिक दल, अभ्यर्थी, कार्यकर्ता और उनसे सहानुभूति रखने वालो को सूचित किया है, कि विधानसभा चुनाव में लाउड स्पीकर का प्रयोग निर्वाचन की घोषणा की तिथि से शुरू होकर परिणाम की घोषणा की तिथि समाप्ति तक पूर्ण निर्वाचन अवधि के दौरान निर्वाचन प्रचार के उद्देश्य के लिए किसी भी प्रकार के वाहन पर रखे गए किसी गतिमान लाउड स्पीकर का प्रयोग रात्रि 10 से प्रात:6 तक नही किया जायेगा। यदि किसी सार्वजनिक सभा या जुलूस के उद्देश्य से सत:र लाउड स्पीकर प्रयोग आदि उक्त समय में परे किया जाता है, तो उसे रिटर्निंग ऑफीसर, सहायक रिटर्निंग ऑफीसर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त करना होगी।

अनुमति देने वाले अधिकारी सार्वजनिक सभाओं, जुलूसी से लोक शांति और प्रशांति, इससे कोई बाधा न हो, इसके लिए निश्चित समय सख्त रूप से निर्धारित करेगा। लाउडस्पीकर के प्रयोग की अनुमति के लिए सुनिश्चित किया जाएगा,कि ऐसी शिकायत की कोई गुंजाईश न रहे। अनुमति देते समय किसी राजनैतिक दल या अभ्यर्थी के साथ पक्षपात या किसी के विरुद्ध भेदभाव की शिकायत की गुंजाईश नही रहे। सभी लाउड स्पीकर का प्रयोग चाहे व सामान्य प्रचार या सार्वजनिक बैठकों या जुलूसों में हो और चाहे, वह चलती हुई गाडियों में या अन्यों में हो, केवल उक्त उल्लेखित नियंत्रित घण्टों के दौरान ही प्रयोग किया जाएगा, उसके बाद कदापि नही। निर्धारित समय के बाद या संबंधित प्राधिकारियों की लिखित अनुमति के बिना लाउड स्पीकरों का प्रयोग करने पर लाउड स्पीकरों के साथ उससे संबंधित सभी उपकरणों को जप्त कर लिया जाएगा। सभी राजनैतिक दल अभ्यर्थी और अन्य कोई व्यक्ति भी चलती हुई गाडियों में, जिममें ट्रकों, टेम्पों, कारों, टेक्सियों, वेनो, तिपहिया स्कूटरों, साईकिल रिक्शे आदि शामिल है। किसी भी प्रकार के लाउडस्पीककरों का प्रयोग करते हुए इन गाडियो का रजिस्ट्रे शन, पहचान संबंधित विवरण, प्राधिकारियों द्वारा स्वीकृत आदेश पर भी दर्शाया जाएगा। सभी राजनैतिक दल अभ्यर्थी और अन्य सभी व्यक्ति चलती गाडी में या किसी नियत स्थान पर किसी प्रकार के लाउड स्पीकर का प्रयोग करने हेतु संबंधित रिटर्निंग आफीसर, स्थानीय पुलिस अधिकारी को लिखित अनुरोध करेगे। गतिशील लाउड स्पीकरों के मामले में उन्हे वाहनों का रजिस्ट्रेशन, पहचान नम्बर रिटर्निंग आफीसरों और स्थानीय पुलिस अधिकारी के पास रजिस्टर करना होगा। लाउड स्पीकरों का प्रयोग करने के लिए परमिट स्वीकृत करना रिटर्निंग आफीसर का दायित्व होगा और स्थानीय पुलिस अधिकारीगण यह सख्ती से लागू करेगें, जिससे उपर्युक्त किसी का उल्लंघन करते हुए, कोई भी लाउड स्पीकरों का प्रयोग न करें। इसमें किसी प्रकार का उल्लंघन आयोग गम्भीरता से लेगा और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करेगा।

आयोग का उक्त निर्देश ध्वनि प्रदूषण और जनता की शांति और प्रशांति को भंग करने पर नियंत्रण रखेगा। इस मामले में किसी प्रकार के उल्लंघन होने पर अनुसंधान अधिकारी उसे गंभीरता से लेंगा और संबंधित के विरुद्ध सख्त अनुशासनिक कार्यवाही करेगा। अनुमतियों के अधीन रहते हुए म.प्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 की धारा-5(2) के अन्तर्गत किसी मनोरंजन, व्यापार या करोबार का विज्ञापन करने के प्रायोजनो के लिए या किसी अन्य वाणिज्य आख्यापन के लिए चलाया या चलवाया नही जाएगा। किसी खुले स्थान या लोक स्थान में रिकार्ड या टेप किया हुआ संगीत बजाने हेतु चलाया या चलवाया नही जाएगा। किसी चिकित्सालय उपचार ग्रह (नर्सिगहोम) दूरभाष केन्द्र (टेलीफोन एक्चेंज) न्यायालय, शिक्षण संस्था तथा उसके छात्रावास, सरकारी कार्यालय, स्थानीय प्राधिकरण के कार्यालय तथा बैंक से दो सौ मीटर की दूरी के भीतर चलाया या चलवाया नही जाएगा। किसी भी अभ्यर्थी द्वारा जनसभाओ, रैलियों इत्यादि के लिए अनुमति प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत आवेदन के साथ अभ्यर्थी द्वारा उसके अभिकर्ता द्वारा अनुलग्नक 16 (निवार्चन व्यय लेखा) में वांछित जानकारी प्रस्तुत करना होगी, उपरोक्त निर्देशों का सभी संबंधित अधिकारी कडाई से पालन करवाएगें।

सांप-नेवले की लड़ाई-जिला न्यायालय से पशुपतिनाथ मंदिर जाने वाले मार्ग पर सांप नेवला की लड़ाई हो रही थी। जिसे देखने के लिए भारी भीड़ लग गई। कुछ लोगो ने मिलकर सांप को लाठी से भगाया, तब नेवला भी झाड़ियो में चला गया और तमाशा देख रहे लोग भी वहां से रुखसत हुए।

जम्मू-कश्मीर: शोपियां में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़, दो आतंकी ढेर

श्रीनगर, 10 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के अलशिपोरा में सुरक्षाबलों ने आज तड़के दो आतंकवादियों को मार गिराया। यह एनकाउंटर सोमवार की देर रात में शुरू हुई थी। जिसका भारतीय सुरक्षा बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूरी ताकत के साथ मुकाबला किया। कश्मीर पुलिस जोन ने एक्स पर पोस्ट के माध्यम से अलशीपोरा में एनकाउंटर की जानकारी दी थी। एनकाउंटर के बाद जवानों का सर्च ऑपरेशन दारी है। बता दें कि इससे पूर्व कुलगाम जिले में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया था।

4 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन के दो आतंकवादी मारे गये थे। पुलिस ने यह जानकारी दी थी। पुलिस ने बताया था कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान बासित अमीन भट और साकिब अहमद लोन के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि दोनों कुलगाम जिले के रहने वाले हैं। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुठभेड़ दिन में उस वक्त शुरू हुई जब सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के कुज्जर में आतंकवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था।

बीते बुधवार यानी कि 4 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन के दो आतंकवादी मारे गये थे। पुलिस ने यह जानकारी दी थी। पुलिस ने बताया था कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान बासित अमीन भट और साकिब अहमद लोन के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि दोनों कुलगाम जिले के रहने वाले हैं। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुठभेड़ दिन में उस वक्त शुरू हुई जब सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के कुज्जर में आतंकवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था।

NAME CHANGED

I, MAMMU KHA MEWATI S/o ALLAH NOOR KHAN MEWATI, RESIDING OF WARD No.-13, MAKAN No.-274, VILLAGE FATHEGARH, TEHSIL-DALUDA, DIST-MANDSAUR (M.P.) HAVE CHANGED MY NAME TO MAMMU KHAN S/o ALLAH NUR KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES (MP)

MAMMU KHAN S/O ALLAH NUR KHAN
WARD No.-13, MAKAN No.-274, VILLAGE FATHEGARH,
TEHSIL-DALUDA, DIST-MANDSAUR (M.P.)

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)
दिनांक- 10.10.2023

✻✻✻जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती गुडडीबाई गुर्जर पति गोपाल जी गुर्जर निवासी ग्राम रठाना तहसील व जिला मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का आवासीय भूखण्ड जो भुखण्ड नं. 02 पर दर्ज होकर वार्ड क्रमांक 01 में स्थिर होकर, ग्राम रठाना, प.ह.नं. 64 तहसील व जिला मंदसौर का दान विधिवत रजिस्टर्ड दान पत्र ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी249392023ए12433831 दिनांक 05.10.2023 से अपने पुत्र उद्धल गुर्जर पिता गोपाल जी गुर्जर निवासी ग्राम रठाना तहसील व जिला मंदसौर को कर दिया है। उक्त भूखण्ड की चर्तु:सीमा व पैमाईश निम्नवत है-

चर्तु:सीमा-पूर्व में-रास्ता, पश्चिम में - गली, उत्तर में-रुगनाथ जी, दक्षिण में-कारूलाल जी जैना। पैमाईश-पूर्व से पश्चिम 55 फीट, उत्तर से दक्षिण 25 फीटा कुल क्षेत्रफल- 1375 वर्गफीट या 127.74 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर उद्धल गुर्जर पिता गोपाल जी गुर्जर निवासी ग्राम रठाना तहसील व जिला मंदसौर द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in